NEP पाठ्यक्रम : हिंदी (स्नातक)

COURSE INTRODUCTION

Programme Outcomes (Pos)

1. साहित्य मानव संवदेना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह संपूर्ण कला है। साहित्य समाज का प्रतिदर्श है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को राष ट्र की सर्वप्रथम भाषा हिंदी के अत्यंत समृद्ध साहित्य के संपूर्ण स्वरूप का ज्ञान होता है।
3. शिक्षार्थी को हिंदी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।
4. शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन संबंधी पक्ष के रूप में हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है ।
5. साहित ्य के अध्ययन में अन्य अनुशासनों के संदर्भ यथा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय आदि समाहित होते हैं। स्नातक में हिंदी साहित्य का चयन शिक्षर्थी को समग्र रूप से शिक्षित करता है।
6. शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिंदी साहित्य की आधार व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।

Programme specific otcomes (PSOs)

UGI Year/Certificate course Art with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठयक्रम के अंतर्गत मुख्य विषय के रूप में हिंदी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अंतर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिंदी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा।

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
गोपाल दत्त गोस्वामी
राजकीय महाविद्यालय चौखुटिया

व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा।

3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिंदी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिंदी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Year wise Structure of UG/BA
(CORE /ELECTIVE COURES & PROJECTS)

Subject : Hindi

Course/Entry - Exit Levels	Year	Sem	Paper - 1 Major Course	Credit	Paper 2 Minor Elective	Credit 4/5/6	Paper 3 Vocational/ Skill Development Course	Credits /hrs	Research Project	Credit/	Total Credits/ hrs/
Certificate Course In Arts - HINDI	I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	6			कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा /Skill Development Course (प्रस्तावित)	3			13

		II	हिंदी कथा साहित्य	6	हिंदी भाषा: व्याकरण	4	प्रयोजनमूलक हिंदी /Skill Development Course (प्रस्तावित)	3			09
Diploma in Arts HINDI	II	III	रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन	6	हिंदी भाषा: स्वरूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा मानक भाषा आदि)	4	प्रयोजनमूलक कुमाउनी /Skill Development Course (प्रस्तावित)	3			13
		IV	नाटक एवं स्मारक साहित्य	6			हिंदी पत्रकारिता /Skill Development Course (प्रस्तावित)	3			09
Bachelor of Arts HINDI	III	V	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	5					हिंदी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली	4	14
			छायावादोत् तर हिंदी कविता	5							
		VI	हिंदी निबंध	5					साहित्यिक	4	14

									विचारधाराओं का अध्ययन: भक्ति आंदोलन छायावाद, प्रगतिवाद, राष्ट्रवाद, आधुनिकता बोध, उत् तर आधुनिकता में से कोई एक			
			लोकसाहित्य	5								

Comments	**कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विज्ञान द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।**

Internal Assessment & External Assessment			
Internal Assessment	Marks 25	External Assessment	Marks 75

नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि		लिखित परीक्षा	

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme : Certificate Course in ARTS - Hindi		Year : I	Semester : I Paper - I
Subject - Hindi			
Course Code :	Course Title : प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी हिंदी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 10	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्राचीन हिंदी काव्य: परिचय एवं इतिहास	10

Unit II	भक्तिकालीन हिंदी काव्य: भक्ति आंदोलन, प्रमुख सिद्धांत, निर्गुण काव्य - ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुण काव्य - रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफीकाव्य	10
Unit III	चंदबरदाई और उनका काव्या व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit IV	कबीर और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit V	जायसी और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit VI	सूरदास और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit VII	तुलसीदास और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक)	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total - 90

पाठ्यपुस्तक

1. प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य - संपादक: डॉ० मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

सहायकग्रंथ

2. कबीर: एक नई दृष्टि - डॉ॰ रघुवंश, लोकभारती, 15 एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
3. जायसी: एक नई दृष्टि - डॉ॰ रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद
4. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्ब योजना - डॉ॰ मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली
5. जायसी - विजयदेव नारायण साही ; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme : Certificate Course in ARTS Hindi		Year : I	Semester : II Paper - I
Subject : Hindi			
Course Code :	Course Title : **हिंदी कथा-साहित्य**		
Code :			

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी हिंदी की कथा परंपरा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिंदी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी कथा - साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी में गद्य का आरम्भ: आधुनिक काल	10

Unit II	हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	हिंदी उपन्यास का शिल्प	10
Unit V	हिंदी कहानी का शिल्प	10
Unit VI	त्यागपत्र: जैनेन्द्र	10
Unit VII	प्रतिनिधि हिंदी कहानियाँ: उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा - प्रेमचंद, आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद, पाजेब - जैनेन्द्र कुमार, परदा - यशपाल, दोपहर का भोजन - अमरकान्त, वापसी-उषा प्रियंवदा	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total - 90

पाठ्यपुस्तक

1. कहानी सप्तक: संपादक: प्रो॰ नीरजा टण्डन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)

सहायकग्रंथ

2. कहानी: नई कहानी - डॉ॰ नामवर सिंह, लोकभारती, 15 - ए महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद
3. हिंदी कहानी: पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम - बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

6. कहानी की रचना -प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15 ए महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद

7. समकालीन हिंदी कहानी - गंगाप्रसाद विमल, सं॰ मैकमिलन, दिल्ली।

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme : Certificate Course in ARTS Hindi		Year : I	Semester : II Paper - II
Subject : Hindi			
Course Code :	Course Title : **हिंदी भाषा: व्याकरण**		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
2. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिंदी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3. शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिंदी भाषा की अत्यंत समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार-समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है ।
4. शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक - प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits : 4	Minor Elective Paper
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min Passing Marks : 10 +30 = 40

Total No. of Lecturse - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lecture
Unit I	वर्ण विचार - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	07
Unit II	हिंदी - वर्तनी: हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियां और उनका शोधन	07
Unit III	शब्द विचार: (व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण) विकारी और अविकारी शब्द	07
Unit IV	हिंदी शब्द रचना - समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्द भेद-रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर - तत्सम, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द	07
Unit V	पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य, परिभाषा। शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक	07
Unit VI	विरामचिन्ह और उनका प्रयोग	07
Unit VII	वाक्यरचना, वाक्य - भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य - संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि	07
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total - 60

सहायकग्रंथ

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति, बद्रीनाथ कपूर वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।

2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विर्मश, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली: वाणी प्रकशन।
4. हिंदी भाषा: कल और कल, पूरन चन्द्र टंडन, मुकेश अग्रवाल, किताबघर: नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान: नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचंद्र वर्मा, इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन।
9. हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा
10. हिंदी भाषा: संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन।

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme : Certificate Course in ARTS Hindi		Year : I	Semester : III Paper - I
Subject : Hindi			
Course Code :	Course Title : **रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन**		

Course Code :

1. शिक्षार्थी हिंदी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी काव्यांग के अंतर्गत रस के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी काव्यांग के अंतर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी काव्यांग के अंतर्गत अलंकार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी काव्यांग के अंतर्गत शब्द शक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रीतिकाल: परिचय व इतिहास	05
Unit II	रीतिकाल काव्य की प्रवृत्तियाँ	05
Unit III	प्रमुख रीतिकालीन कवि- 1. केशवदास 2. बिहारी 3. देव 4. घनानंद 5. भूषण	20

	रीतिकालीनकाव्य - संपादक: डॉ बचनलाल(व्याख्या हेतु संकलित काव्य)	
Unit IV	छंद-निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, बरवै, गीतिका, हरिगीतिका, कवित् त, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा	10
Unit V	अलंकार -निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, अतिश्योक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति	10
Unit VI	रस: रसावयव - स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव। रस भेद - श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य, रसों के लक्षण एवं उदाहरण	10
Unit VII	शब्दशक्तियाँ - शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, शैली विज्ञान का संक्षिप्त परिचय	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 +20 Total - 90

पाठ्यपुस्तक

1. रीतिकालीन काव्य - संपादक: डॉ बचन लाल, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

सहायकग्रंथ

2. काव्यप्रदीप - रामबहोरी शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मध्यकालीन बोध का स्वरूप - डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. मध्यकालीन काव्य साधना - डॉ० वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह, लोकभारत प्रकाशन, इलाहाबाद
7. रस, छंद, अलंकार - डॉ० केशवदत् त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme : Diploma Course in ARTS-Hindi	Year : II	Semester : III Paper - II
Subject : Hindi		
Course Code :	Course Title : **हिंदी भाषा: स्वरूप**	

Course Outcome

1. शिक्षार्थी को हिंदी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिंदी की शैलियों यथा हिंदी, हिंदुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3. शिक्षार्थी को हिंदी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
5. शिक्षार्थी विभिन्न व्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिंदी के मानकीकृत रूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिंदी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits : 4	Elective Paper

Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास	07
Unit II	हिंदी की शैलियां - हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू	07
Unit III	हिंदी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ - 1. पश्चिमी हिंदी 2. पूर्वी हिंदी 3. राजस्थानी 4. बिहारी 5. पहाड़ी एवं उसकी बोलियाँ	07
Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्क भाषा	10
Unit V	हिंदी और न्यू मीडिया	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक	07
Unit VII	निबंध लेखन	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total - 60

सहायकग्रंथ

1. डॉ० केशवदत् तरुवाली - हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग
2. डॉ० धीरेन्द्र वर्मा - हिंदी भाषा का इतिहास

3. डॉ० भोलानाथ तिवारी - हिंदी भाषा
4. डॉ० देवेन्द्र नाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास
5. डॉ० कैलाश चंद्र भाटिया - प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास
6. डॉ० पूरनचंद्र टण्डन - व्यावहारिक हिंदी

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme : Diploma Course in ARTS-Hindi	Year : II	Semester : IV Paper - I
Subject : Hindi		
Course Code :	**Course Title : नाटक एवं स्मारक साहित्य**	

Course Code :

1. शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्य समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

4. शिक्षार्थी को हिंदी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
6. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नाटक: विधागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास] , **एकांकी: विधागतविधागत स्वरूप, उद्भव एवं विकास**	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रवस्वामिनी, चार एकांकी: संपादक: प्रो देवसिंह पोखरिया	10
Unit III	स्मारक साहित्य: अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	**स्मारक निलय: नीलू (महादेवी वर्मा) , स्मरण करते स्मृतिकार राय कृष्ण दास (अज्ञेय), एक जीवनी एक युग ' निराला' (नागार्जुन), दोहरा अभिशाप (कौसल्या बैसंत्री),** मेवाड़ की भूमि में (राहुल सांकृत्यायन), तराई: एक मिनी हिन्दुस्तान (बटरोही), एकांतिक संताप और सच्चाई की दास्तान (मोहन राकेश), ओ रे अल्मोड़ा? (मृणाल पाण्डे), बच्चन के पत्र (हरिवंश राय बच्चन), कहानी का परिदृश्य (रमेश चंद्र साह से कैलाश वनवासी की बातचीत)	10
Unit V	रेखाचित्र एवं संस्मरण, जीवन एवं आत्मकथा	10
Unit VI	यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज, फीचर एवं साक्षात्कार	

Unit VII	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएं	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total - 90

पाठ्यपुस्तक

1. **ध्रुवस्वामिनी , जयशंकर प्रसाद**
2. **चार एकांकी , संपादक: प्रो 0 देबसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी**
3. **स्मारक निलय, संपादक: डॉ प्रीति आर्या, किताब महल ,दरियागंज** (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)

सहायकग्रंथ

4. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना - डॉ॰ गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
5. हिंदी स्मारक साहित्य - डॉ॰ केशवदत् त रुवाली एवं डॉ॰ जगत सिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़
6. स्म ारक साहित्य और उसकी विधाएं - डॉ॰ निर्मला ढैला एवं डॉ॰ रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़

DEGREE COURSE IN UG			
Programme : Degree Course in ARTS-Hindi		Year : III	Semester : V Paper - I
Subject : Hindi			
Course Code :	Course Title : **द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य**		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी हिंदी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिंदी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी खड़ी बोली हिंदी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिंदी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिंदी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures

Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य: युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	08
Unit II	छायावादीकाव्य : युगीन प्रवृत्तियां, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	09
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	08
Unit IV	मैथिलीशरणगुप्त (पंचवटी)	08
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आंसू तथा गीत)	08
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	08
Unit VII	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	08
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत-धीरे धीरे उतर क्षितिज से, बीन भी हूँ मैं, लाए कौन संदेश नए घन, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, हे चिर महान, सब बुझे दीपक जला लूँ)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total - 75

पाठ्यपुस्तक

1. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य - संपादक: प्रो० चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)

सहायकग्रंथ

2. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
3. छायावाद और रहस्यवाद -गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. निराला: मूल्यांकन - इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. पंत की काव्य भाषा - कांत पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. छायावाद की परिक्रमा - डॉ० श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

DEGREE COURSE IN UG			
Programme : Degree Course in ARTS-Hindi		Year : III	Semester : V Paper - II
Subject : Hindi			
Course Code :	Course Title : **छायावादोत्तरहिंदी कविता**		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी छायावादोत् तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी आधुनिक हिंदी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी आधुनिक हिंदी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी आधुनिक हिंदी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी आधुनिक हिंदी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रगतिवाद: विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएं, महत्व प्रमुख कवि	14
Unit II	प्रयोगवाद: विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएं, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit III	नयी कविता: विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएं, महत्व प्रमुख कवि	08

Unit IV	समकालीन हिंदी कविता: विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएं, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit V	कविताएँ एवं व्याख्या- 1. अज्ञेय (कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल गलती, एक रंग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना, वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण (नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे गीतफरोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा, हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात, फर्क नहीं पड़ता)	20
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10 Total - 75

पाठ्यपुस्तक

1. छायावादोत् तर हिंदी कविता - संपादक: प्रो॰ शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)

सहायकग्रंथ

2. नई कविताएं: एक साक्ष्य - डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नयी कविता: नये कवि - डॉ॰ विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद
4. हिंदी के आधुनिक कवि - डॉ॰ द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5. आधुनिक साहित् य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. छायावादोत् तर हिंदी कविता के प्रतिमान - प्रो॰ निर्मला ढैला बोरा, आधार शिला प्रकशन, हल्द्वानी

7. छायावाद की परिक्रमा - डॉ० श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकशन, इलाहाबाद

DEGREE COURSE IN UG			
Programme : Degree Course in ARTS-Hindi		Year : III	Semester : V Project
Subject : Hindi			
Course Code :	Course Title : **लघु शोध अध्ययन एवं कार्य हिंदी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली**		
Course Outcomes :			
शिक्षार्थी इस लघु शोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिंदी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करता है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी प्रसाद के लिए यह अध्ययन आवश्यक है।			
Credits : 5		Project	
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100		Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40	
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली: परिभाषा एवं अर्थ। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग - स्थापना, इतिहास, उद्देश्य आदि।	20
Unit II	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली: चयन एवं निर्माण, प्रक्रिया एवं महत्व	20
Unit III	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली: समस्याएं और समाधान।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total - 60

DEGREE COURSE IN UG		
Programme : Degree Course in ARTS-Hindi	Year : III	Semester : V Paper - I
Subject : Hindi		
Course Code :	Course Title : fganh fuca/k	

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिंदी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक संबंध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निबंध विधा- परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार उद्भव एवं विकास	09
Unit II	बालकृष्ण भट्ट	08

	(साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	
Unit III	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (कछुआ धर्म)	08
Unit IV	रामचन्द्र शुक्ल (कविता क्या है)	08
Unit V	महादेवी वर्मा (जीने की कला)	08
Unit VI	हजारी प्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल)	08
Unit VII	हरिशंकर परसाई (पगडंडियो का ज़माना)	08
Unit VIII	विद्यानिवास मिश्र (अस्ति की पुकार)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total - 75

पाठ्यपुस्तक

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध - संपादक: प्रो॰ नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबंध)

सहायकग्रंथ

2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ॰ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार - डॉ॰ गंगाप्रसाद, रचना प्रकशन, इलाहाबाद
4. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास - डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

DEGREE COURSE IN UG			
Programme : Degree Course in ARTS-Hindi		**Year : III**	**Semester : VI Paper - II**
Subject : Hindi			
Course Code :	**Course Title : लोकसाहित्य**		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्त्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

5. शिक्षार्थी लोकनाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्त्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्त्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्त्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures – Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लोक-साहित्य: परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएं	15
Unit II	लोक-गीत: अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार - गीत, व्रत गीत, श्रम परिहार गीत, ऋतु गीत	12
Unit III	लोक नाट्य: अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप - रामलीला, स्वांगय, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली	12
Unit IV	लोक-कथा: अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार व्रत कथा, परीकथा, नाग कथा, बोध कथा, कथानक रूढ़ियां एवं अभिप्राय	12
Unit V	लोक-गाथा: अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्त् ि, परम्परा, सामान्य प्रवृत्त् ियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएं-राजुला -मालूशाही, गौर-माहेश्वरी, तीलूरौतेली	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total - 75

पाठ्यपुस्तक

1. लोकसाहित्य - सम्पादक : प्रो० चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)

सहायक ग्रंथ

2. लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक और शास्त्र - अन्वय और समन्वय: विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य: श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन: डॉ० त्रिलोचन पाण्डेय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme : Degree Course in ARTS-Hindi	Year : III	Semester : VI Project
Subject : Hindi		
Course Code :	Course Title : लघुशोध अध्ययन एवं कार्य - साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन	

Course Outcomes :

शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिंदी की साहित्यिक विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। हिंदी साहित्य में उच्चस्तरीय शोध के लिए यह पूर्व-अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

Credits : 4	Project
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निम्नांकित विचारधाराओं अथवा साहित्य आंदोलनों में से किसी एक पर लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य करना है - 1. भक्ति आंदोलन 2. छायावाद 3. प्रगतिवाद 4. राष्ट्रवाद	08

	5. आधुनिकबोध 6. उत्तरआधुनिकता 7. प्रवासी साहित्य	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total - 60

कौशलसंवर्द्धनपाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृतिएवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इसक्रम में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme : Certificate Course in ARTS-Hindi		**Year : I**	**Semester : I Paper - III**
Subject : Hindi			
Course Code :	**Course Title : कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा**		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।

2. शिक्षार्थी स्थानीय सांस्कृतिक परम्पराओं से परिचित होता है।

3. शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के विविध पक्षों से परिचित होता है।

4. शिक्षार्थी कुमाउनी के सामान्य व्याकरण तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 3	Skill Development Course ¼izLrkfor½
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृति: अर्थ एवं स्वरूप, मानव सभ्यताओं का विकास और स्थानीय संस्कृतियाँ, कुमाउनी संस्कृति का परिचय एवं विविध पक्ष	13
Unit II	कुमाउनी पक्ष: परिचय एवं स्वरूप, कुमाउनी भाषा के विविध रूप	12
Unit III	कुमाउनी का सामान्य व्याकरण - वर्णमाला, शब्द रचना आदि	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total - 45

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme : Certificate Course in ARTS-Hindi			
Subject : Hindi		Year : I	Semester : II Paper - II
Course Code :	Course Title : प्रयोजनमूलक हिंदी		

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी सामान्य कार्यालयी प्रयोजनों यथा कार्यालयी पत्राचार, प्रारूपण, टिप्पण आदि में हिंदी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिंदी भाषा की कम्प्यूटिंग यथा टाइपिंग, फांट प्रबंधन, वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी॰वी॰ वीडियो, इंटरनेट आदि के क्षेत्र में लेखन-सम्पादन संबंधी ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी जनसंचार माध्यमों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 3	Skill Development Course ¼izLrkfor½
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रयोजनमूलक हिंदी: अर्थ, रूप, विशेषताएं, प्रयुक्तियाँ, महत्व, उपयोगिता, सीमाएं और सम्भावनाएं	08
Unit II	पत्राचार: प्रारूपण आलेखन, टिप्पण, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय - ज्ञापन, ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, पृष्ठांकन, अधिासूचना, अनुस्मारक, प्रेस विज्ञप्ति, सूचना	08
Unit III	भाषा कम्प्यूटिंग: डेटा, वर्ड प्रोसेसिंग, फांट प्रबंधन, यूनिकोड हिंदी फांट	08

Unit IV	अनुवाद: स्वरूप, प्रकार एवं महत्व, भाषांतरण, लिप्यातंरण	08
Unit V	संचार: स्वरूप, कार्यक्षेत्र व प्रकार, जनसंचार और भाषा	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	40 05 Total - 45

पाठ्यपुस्तक

1. प्रयोजनमूलक हिंदीरू विविध संदर्भ . प्रो॰ निर्मला ढैला बोराए देवभूमि प्रकाशनए हल्द्वानी

सहायकगंथ

2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी) - डॉ॰ शंकर क्षेम एवं डॉ॰ कंचन शर्माए प्रकश बुक डिपोए बरेली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरेए वाणी प्रकाशन, दरियागंजए दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टेए वाणी प्रकशन
5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ॰ रमाप्रकाशए राधाकृष्ण प्रकशन दरियागंजए नई दिल्ली
6. प्रारूपण, टिप्पण और पूरफ पठन - डॉ॰ भोलनाथ तिवारीए वाणी प्रकाशन
7. कामकाजी हिंदी - डॉ॰ कैलाशचंद्र भाटियाए वाणी प्रकशन दिल्ली

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme : Diploma Course in ARTS-Hindi	**Year : III**	**Semester : III**

		Paper -III
Subject : Hindi		
Course Code :	Course Title : **प्रयोजनमूलक कुमाउनी**	

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी प्रयोजनमूलक कुमाउनी भाषा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी सरकारी कार्यों/प्रतियोगी परीक्षाओं व साक्षात्कार माध्यमों आदि में कुमाउनी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी॰वी॰ तथा इंटरनेट आदि के क्षेत्र में कुमाउनी में लेखन-संपादन संबंधी ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी अनुवाद की प्रक्रिया का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits : 3	Skill Development Course (प्रस्तावित)
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रयोजनमूलक कुमाउनी का अभिप्राय, कुमाउनी का व्यावहारिक प्रयोग	06
Unit II	परीक्षाओं/साक्षात्कारों में कुमाउनी, जनसंचार माध्यमों में कुमाउनी - पत्र-पत्रिकाएं, रेडियों, टी॰वी॰, इंटरनेट तथा नव जनसंचार में कुमाउनी, टी॰वी॰ धारावाहिक फिल्मों तथा गीतों में कुमाउनी	11
Unit III	कुमाउनी में कोश विषय कार्य, कुमाउनी तथा अन्य बोली-भाषाओं में द्विभाषिक या बहुभाषिक शब्द कोश (ङ) अन्य क्षेत्रां में कुमाउनी	10
Unit IV	अनुवाद: हिंदी से कुमाउनी में अनुवाद, कुमाउनी से हिंदी में अनुवाद	10

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total - 45

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme : Degree Course in ARTS-Hindi	**Year : II**	**Semester : IV**
Subject : Hindi		**Paper - II**
Course Code :	**Course Title : हिंदी पत्रकारिता**	

Course Outcomes :

1. शिक्षार्थी को पत्रकारिता के स्वरूप और प्रमुख प्रकारों का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का ज्ञान होता है।
3. शिक्षार्थी को पत्रकारिता के मूल तत्वों का ज्ञान होता है।
4. शिक्षार्थी को सम्पादन कला के विभिन्न आयामों का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को पत्रकारिता से जुड़ी लेखन प्रविधियों का ज्ञान होता है।

6. शिक्षार्थी को प्रेस कानून तथा प्रेस आचार संहिता का ज्ञान होता है।

7. शिक्षार्थी को लोकतंत्र में मुक्त पत्रकारिता के महत्व का ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits : 5	Skill Development Course (प्रस्तावित)
Max. Marks : 25 (Internal) + 75 (External) = 100	Min. Passing Marks : 10 + 30 = 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास	08
Unit II	समाचार के मूल तत्व समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत-शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुतिप्रक्रिया	08
Unit III	दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता	08
Unit IV	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि	08
Unit V	प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	40 05 Total - 45

सहायकग्रंथ

1. हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास - अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत (दोखण्ड) - शंभुनाथ (सं०) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. साहित्यिक पत्रकारिता - ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
गोपाल राम गोस्वामी
राजकीय महाविद्यालय चौखुटिया
अल्मोड़ा